बाई आवाबाई फ्रामजी पेटिट गर्ल्स हाईस्कूल

हिन्दी

पूर्व प्राथमिक परीक्षा २०१८- २०१९

कक्षा: १० वीं | दिनांक :२६ /११ /२०१८

अंक :८० | समय : ३घंटे + १५मिनट वाचन समय

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Sections - Section Aand SectionB.

Attempt all questions from Section A.

Attempt any four questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

The intended marks for the questions or parts of questions are given in the brackets [ ].

Section A (40 Marks)

Attempt all questions

Question 1

Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics. [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए | :-

(i) पर्यावरण है तो मानव है विषय को आधार बनाकर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर हम क्या - क्या प्रयास कर रहे हैं | इस विषय पर एक प्रस्ताव लिखिए |

ii) स्वतंत्रता दिवस (१५अगस्त) हमें कैसे प्राप्त हुआ? इसके मूल में किन लोगों का बलिदान है ? प्रतिवर्ष हमें यह क्या याद दिलाता है ? इसकी रक्षा के लिए हमें क्या करना चाहिए ?

iii) आज के युग में सभी का साक्षर होना अत्यंत आवश्यक है | साक्षरता की आवश्यकता तथा इससे होने वाले लाभों को दृष्टि में रखकर एक प्रस्ताव लिखिए |

iv) अंत भले का भला - इस लोकोक्ति के आधार पर एक मौलिक कहानी लिखिए |

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Scanned by CamScanner

(v) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र का वर्णन करते हुए एक प्रस्ताव लिखिए अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए |

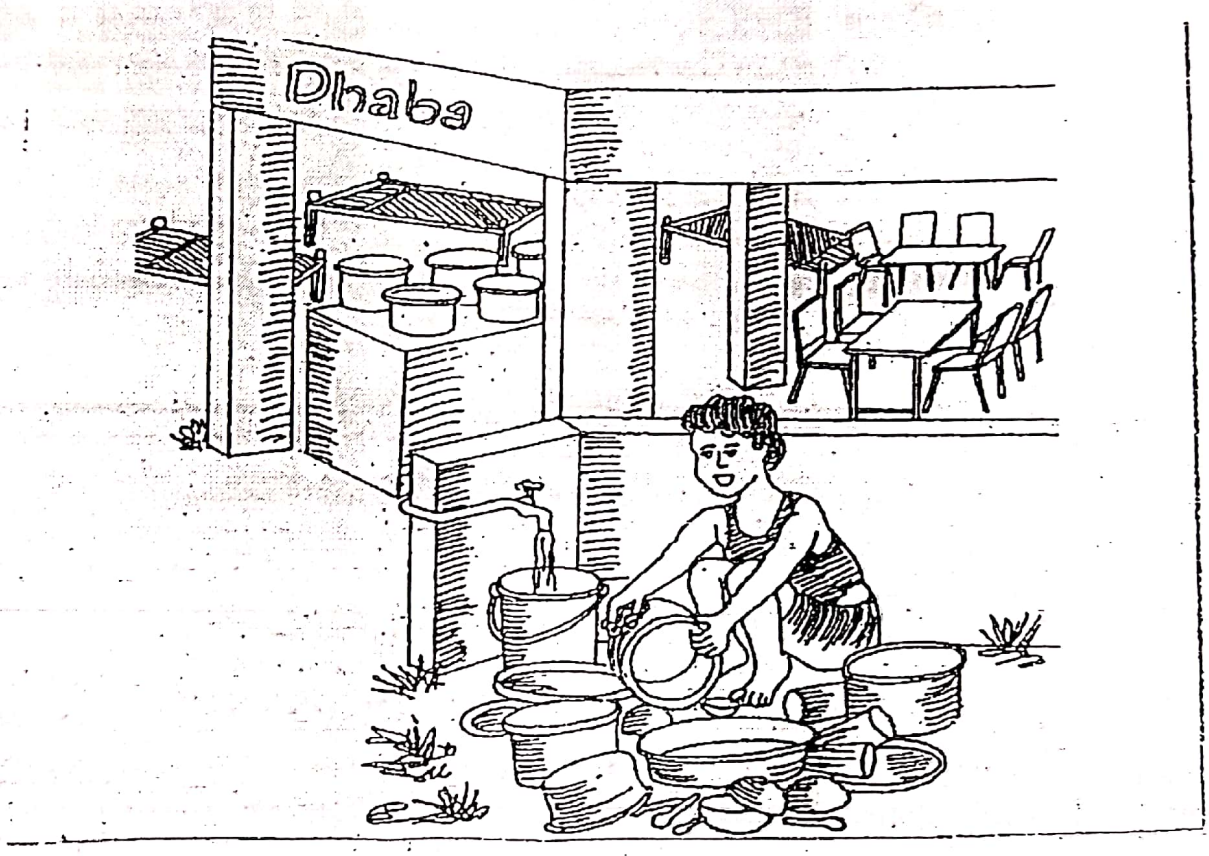

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Question 2

Write a letter in Hindi in approximately 120 words on any one of the topics given below : [7

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिंदी में लगभग १२० शब्दों में पत्र लिखिए|

i) आपका छोटा भाई कक्षा में मोबाइल फोन प्रयोग करने के अपराध के कारण विद्यालय की ओर से दंडित किए जाने पर अपमानित महसूस कर रहा है और वह आजकल विद्यालय नहीं जा रहा | उसे समझाते हुए पत्र लिखिए |

ii) समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखकर पुलिस की लापरवाही के कारण अपने नगर में बढ़ रही गुंडागर्दी के प्रति प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कीजिए |

Scanned by CamScanner

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Question 3

Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible:-

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानसे पढ़िए और उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए | उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दोंमें होने चाहिए |

गाँव का एक बूढा चौधरी लकडियों से भरी बैलगाडी लेकर करीव के नगर में वेचने के लिए आया | चौधरी की गाड़ी को नजर भरकर देखने के वाद एक सेठ ने पूछा, "वावा गाड़ी का क्या लेगा ?" चौधरी ने कहा , "एक ही दाम वता दूँ ?" पूरे पाँच रूपए लूँगा | कम ज्यादा मत करना | " सेठ ने कहा, "वावा तूने कहा है तो गाडी के पूरे पाँच ही दूँगा | चल , जल्दी कर ! मेरी हवेली तक तो चल | "

सेठ के साथ चौधरी उसकी हवेली गया | गाड़ी में रखी तमाम लकडियाँ निकालकर आँगन में रख दी | सेठ ने खुशी - खुशी पाँच रूपए दिए | चौधरी अपने वैलों को फिर से गाडी में जोतने लगा तो सेठ बोला , "खवरदार गाडी और वैलों को हाथ मत लगाना ! गाडी और वैलों की मैंने पूरी कीमत चुकाई है | अव ये मेरे हैं | वूढा चौधरी वोला , " मैंने तो लकड़ियों का दाम वताया था | मैंने तुझसे गाड़ी का मोल पूछा था या लकडियों का ? जरा याद कर, मैंने कहा था कि 'वावा, गाडी का क्या लेगा ? कहा था कि नहीं ? तूने पाँच रूपए माँगें | पाँच से कम दिए हों तो वता ? गाड़ी का मोल करते वक्त वैल जुते हुए थे कि नहीं ? सिर में सफेदी आ चुकी है इसलिए सच वोलना ! एक दिन सवको भगवान को मुँह दिखाना है | " चौधरी को काटो तो खून नहीं ! अटकते - अटकते वोला, " वैल जुते हुए जरूर थे , पर सेठ जी , मैंने तो लकड़ियों का दाम वताया था | गाडी - वैल कहाँ पाँच रूपए में आते हैं ! " सेठ ने तपाक से कहा , "पर मैंने तो गाड़ी का दाम पूछा था और गाड़ी के दाम देने की वात की थी | गाडी - वैल पाँच रूपए में आते हैं कि नहीं, यह तू जाने | आदमी की जवान एक होती है कि दो ? अव चुपचाप चलता वन, नहीं तो धक्के मारकर निकलवा दूँगा | चौधरी वूढ़ा था | अधिक चतुर नहीं था | गाड़ी छोड़ते हुए कलेजे पर आरा - सा चलता था | सेठ के आगे हाथ जोड़े , गिडगिडाया , उसके पाँव में पगड़ी रखी , रोते हुए वोला , " मेरे समझने में भूल हो गई | मैंने तो लकड़ियों का मोल वताया था | आप वड़े हैं, गरीव पर दया करें | " पर सेठ के कान पर जूँ भी नहीं रेंगी | अपनी वात पर अड़ा रहा | चौधरी को समझाया कि दुनिया में जवान से वढ़कर कुछ भी नहीं है | जवान से ही वरकत होती है | जवान से पलट जाए वह आदमी कैसा !

वेचारा चौधरी पाँव घिसटता हुआ हवेली से निकला और अपने गाँव आया | घर में पहुँचते ही वड़े वेटे ने पूछा , "वावा वैलगाडी कहाँ है ? रास्ते में खराव तो नहीं हो गई ? वावा ने खीझकर कहा, " वैलगाडी तो सेठ ने ले ली | तुम में दम हो तो कुछ करो | उस चतुर सुजान सेठ के आगे मेरी एक न चली | चौधरी ने अपने वेटों को व्योरेवार पूरी वात वताई | कहा , "सेठ के आगे खूव रोया | गिडगिड़ाया | पाव में पगड़ी रखी | पर उसने कहा कि , "आदमी की जवान एक होती है | वेटों ने कहा , "हम उसकी ईंट से ईंट वजा देंगे | " पर सवसे छोटा वेटा वुद्धिमान था | वह वोला , " मैं अकेला ही उससे निपट लूँगा | सेठ की जवान से ही उसे वाँधूंगा | "

Scanned by CamScanner

दूसरे दिन वह बड़े सवेरे ही घर से रवाना हुआ और नगर के उसी चौक में लकड़ियों से भरी गाड़ी खड़ी की | पिता ने उसे सेठ का हुलिया अच्छी तरह समझा दिया था | सेठ अपनी कल की चतुराई और सफलता से फूला , आज फिर वहीं आया | लकड़ियों से भरी गाड़ी देखकर उसका चेहरा खिल गया | पास जाकर पूछा, " चौधरी गाड़ी बिकाऊ हैं क्या ?" चौधरी का बेटा तुरंत समझ गया कि यह वही सेठ है | इसलिए उसने कहा , " सेठ जी ,यह भी कोई पूछनेवाली बात है | बेचने के लिए ही तो लाया हूँ ! "

सेठने पूछा , " इस 'गाडी' का क्या लेगा ? मुझसे मोल - भाववाली बात मत करना | " गाडीवाले ने कहा , "सेठ जी , फिजूल मोल - भाव में क्या रखा है ! एक ही बात बता दूँ कि इस गाडी के दो मुट्ठी टके लूँगा | आपको जँचते हों तो बोलो | "

सेठ को लगा कि यह तो कल वाले बाबा से भी भोला है | मुट्ठी का क्या , एक टका बंद कर लें ; और दो भी | बंद मुट्ठी का तो खोलने से पता चलता है | आज यह गँवार खूब मिला ! फिर ऊपरी मन से बोला, " गाड़ी का दाम तो तूने ज्यादा बताया , पर अब कौन झिक-झिक करे ! चल मेरी हवेली , इस गाडी के दो मुट्ठी टके ही दूँगा | "

चौधरी के बेटे ने सोचा - अब इसे जिंदगी भर के लिए लकडियाँ खरीदना न भूला दिया तो अपना यह मुँह लेकर घर न जाऊँगा | सेठ तेजी से हवेली के भीतर गया और दोनों मुट्ठियों में एक-एक टका बंद करके चौधरी के बेटे के पास आकर बोला, "ले अपने दाम" सेठ टके देने के लिए मुट्ठियाँ खोल ही रहा था कि गाडीवाले ने झट उसका हाथ पकड लिया | फिर अपनी कमर में खूसा पैना हँसिया निकालकर बोला , " सेठ जी , मुट्ठियाँ खोलो मत , ये तो अब साथ ही जाएँगी | सेठ हैरान होकर बोला , "यह क्या बक रहा है ?" चौधरी का लड़का बोला , "बक नहीं रहा हूँ सेठ , जो सौदा हुआ है वही बता रहा हूँ |

तुम्हारे शहर में जब लकडियों के साथ गाडी - बैल बिकते है तो टकों के साथ मुट्ठियाँ भी जाएँगी |" यह कहकर उसने सेठ की कलाई पर हँसिए का हलका - सा रगडा दिया | सेठ जोर से चिल्लाया , "छोड दे चौधरी , मुझ पर दया कर | मुझसे गलती हो गई | कल के गाडी - बैल भी वापस ले जा | गाडी - बैल का भला मैं क्या करूँगा ! मैंने तो मजाक किया था |" चौधरी उसकी कलाई मरोडते हुए बोला , "मेरा पिता कल गिडगिडाया , पाँव में पगडी रखी , पर तुम नहीं पसीजे | अब जबान पलटते हो !

पलभर में सेठ को सारा नफा - नुकसान समझ में आ गया | हकलाते हुए बोला , "जबान तो की थी , पर टकों के साथ मुट्ठियाँ कटने का मुझे ध्यान नहीं रहा | अब जैसा तू कहे , करने को तैयार हूँ | मेरा हाथ छोड दे |" चौधरी ने कहा , "तुम्हें क्यों ध्यान रहने लगा ! बूढे आदमी से गाडी - बैल छीनते वक्त पूरा ध्यान था !" सेठ की करतूत के लिए उसे उलाहना देते - देते उसने हँसिए का एक रगडा और दिया |

AMBIKA BOOK DEPOT
Rangoli, Vasant Utsav,
Scanned by CamScanner

सेठ काँपते हुए बोला , "गाडी के साथ दंड के पाँच सौ रूपए भी दूँगा , मेरा हाथ छोड दे !" उसे काँपते देखकर चौधरी के बेटे को हँसी आ गई | वह सेठ का उपहास करते हुए बोला , " इसी हिम्मत के जोर पर बेचारे भोले - भाले लोगों को ठगते हो ? चलो , मेरे पाँव में पगडी रखकर सात बार नाक रगडो सेठ ने तुरंत पगडी उसके पाँवों में रख दी | फिर सात बार जमीन पर नाक रगड़ो !"

तब चौधरी के बेटे ने कहा , "अब चुपचाप पाँच सौ रूपए लाओ और कल जो गाडी बैल हडप लिए थे , वे भी वापस करो | अगर इसमें चीं - चपड़ की तो हॅसिए से आँते निकाल दूँगा |" सेठ ने तुरंत पाँच सौ रूपए दिए और पिछले दिन उसके पिता से हथियाए गाडी बैल भी लौटा दिए | चौधरी का समझदार छोटा बेटा दोनों बैलगाड़ियों के साथ अपने गाँव लौट आया |

प्रश्न

१. चौधरी शहर में क्या बेचने गया था ? सेठ ने गाड़ी का क्या दाम लगाया ? [2]

२. चौधरी को पूरी गाड़ी सेठ के पास क्यों छोडनी पडी ? [2]

३. सेठ ने चौधरी के लडके को भी कैसे ठगना चाहा? [2]

४. चौधरी के लडके ने सेठ को सबक कैसे सिखलाया ? [2]

५. इस कहानी से क्या शिक्षा मिलती है ? [2]

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Question 4

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए |

i) निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए | [1]

भ्राता , धिक्

ii) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के लिए दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखिए| [1]

चतुर , लता

iii) निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थी शब्द लिखिए| [1]

निश्चेष्ट , दृश्य , गोचर , परमार्थ

iv) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण शब्द बनाइए | [1]

सेना , प्रातःकाल

v) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से सार्थक वाक्य बनाइए | [1]

कलई खुलना , ईंट का जवाब पत्थर से देना

vi) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए |

i) उसके स्टेशन पहुँचने से पहले ही गाडी जा चुकी थी | ('मिश्र वाक्य' में परिवर्तित कीजिए) [1]

ii) क्या ये काम अभी करना होगा ? ('आज्ञावाचक ' वाक्य में परिवर्तित कीजिए) [1]

iii) माली ने क्यारी में सुंदर पौधा उगाया होगा | (वाक्य को 'वर्तमानकाल' में बदलिए) [1]

Scanned by CamScanner

Section B (40 Marks)

(Attempt any four questions from this Section)

Question 5

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए |

"यही तो मेरा और तुम्हारा मतभेद है | जीवन के लघुदीप को अनंत की धारा में बहा देने का यह संकेत है | आह ! कितनी सुंदर कल्पना |"

संदेह

जयशंकर प्रसाद

१ उपर्युक्त कथन किसने, किससे और किस संदर्भ में कहा? [2]

२ वक्ता और श्रोता इस समय कहाँ पर हैं ? उस दृश्य का वर्णन कीजिए | [2]

३ वक्ता ने अपने हृदय की वेदना को क्या कहकर प्रकट किया ? [3]

४ पाठ का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए | [3]

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

Question 6

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए |

माली ने अचंभे से मुँह में उँगली दबा ली और चकित भाव से बोला -"क्या तुम शायर हो ?"

जामुन का पेड

कृष्ण चंदर

१ यह पता लगने पर कि पेड के नीचे दबा हुआ व्यक्ति शायर है वहाँ किस प्रकार का वातावरण हो गया? [2]

२ सेक्रेटरियट की सब कमेटी ने क्या फैसला किया? [2]

३ दबा हुआ आदमी किस उपानम से जाना जाता था? साहित्य अकादमी का सेक्रेटरी क्या कर सकता था और क्या नहीं कर सकता था? [3]

४ शायर का कौन-सा गद्य संग्रह प्रकाशित हुआ था? शायर ने पेड के नीचे से निकालने की गुहार लगाने पर साहित्य अकादमी के सेक्रेटरी ने अपनी किस मुसीबत को बैताया? [3]

Question 7

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए |

"तो तू मुझे आदमी नहीं समझती , क्यों? "

दो कलाकार

मन्नू भंडारी

१ उपर्युक्त कथन का प्रसंग स्पष्ट कीजिए| [2]

२ उपर्युक्त कथन की प्रतिक्रिया स्वरूप अरुणा क्या कहती है? [2]

३ तीन दिन से क्या हो रहा था ?अरुणा ने इस घडी में क्या किया ?चित्रा ने उसे क्या समझाया ? [3]

४ 'दो कलाकार' इस कहानी में सच्चा कलाकार कौन है और कैसे? [3]

Scanned by CamScanner

Question 8

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए |

"हाँ जहरीली तो है ही | जब बोलती है तो बातों की ऐसी चोट करती है कि कुछ कहते नहीं बनता | वह तो हमेशा उछलती - कूदती आती थी | आज तो जैसे उसके पैर में मोच आ गई हो |"

दीपदान
डॉ रामकुमार वर्मा

AMBIKA BOOK DEPOT
Shop No. 1, Rangoli, Vasant Utsav,
Thakur Village, Kandivali (E),
Mumbai - 400 101.
Mob. 9821263050.

१ वक्ता और श्रोता कौन है ? वक्ता का कथन किसके संबंध में है ? [2]

२ सोना पन्ना के पास क्यों आई थी ? वह किस बात का बुरा मान गई ? [2]

३ वक्ता ने श्रोता से कुँवर उदयसिंह और सोना के बारे में क्या बताया ? [3]

४ "तुम तो किसी को नहीं देखते ?"- श्रोता के यह पूछने पर वक्ता ने क्या कहा? [3]

Question 9

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए |

"कागज के टुकडों पर अपना स्नेह और प्यार बेचनेवालों के बीच तुम इस तरह कब तक रह सकोगी |"

बहू की विदा
विनोद रस्तोगी

१ वक्ता कौन है ? परिचय दीजिए | [2]

२ उपर्युक्त कथन का आशय स्पष्ट कीजिए | [2]

३ उपर्युक्त कथन सुनकर श्रोता की क्या प्रतिक्रिया होती है ? यहाँ किस समस्या की बात हो रही है? [3]

४ 'दहेज प्रथा' पर अपने विचार पाठ के आधार पर लिखिए? [3]

Question 10

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए |

काम लेने का ढंग उसे आता है जिसे काम की परख हो| सुबह- शाम झाड़ू देने मात्र से कमरा साफ नहीं हो जाता |उसकी बनावट-सजावट भी कोई चीज है |

सूखी डाली
उपेंद्रनाथ 'अश्क'

१ उपर्युक्त कथन किसने , किससे और क्यों कहा है ? कारण सहित लिखिए | [2]

२ बेला ने अपने मायके के संबंध में क्या कहा ? [2]

३ इंदु ने बेला को क्या समझाने का प्रयास किया? [3]

४ एकांकी के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है? [3]

Scanned by CamScanner